तपेदिक का प्रभाव

विश्वव्यापी

तपेदिक (टी.बी.) एक ठोस विश्वव्यापी स्वास्थ्य समस्या बनी हुई है। वर्ल्ड हैल्थ आर्गेनाईज़ेशन (WHO) का अनुमान है कि विश्व की एक-तिहाई आबादी टी.बी. से पीड़ित है। प्रति वर्ष टी.बी. के 92 लाख नए मामले भी सामने आते हैं और इससे 15 लाख जानें जाती हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर

गत दो दशकों के दौरान कैनेडा में टी.बी. के बताए गए सक्रिय मामलों की संख्या में कमी आई है। किन्तु 2004 में कैनेडा में अभी भी 1,613 सक्रिय मामले थे।

स्थानिय स्तर पर

प्रति वर्ष मिडलसेक्स-लंदन में टी.बी. के औस्तन 10 नए मामले सामने आते हैं। हमारे क्षेत्र में टी.बी. की एक ऐसी किस्म सामने आई है जिस पर दवाओं का प्रभाव कम होता है।

टी.बी. क्या होती है?

मायोबैक्टीरियम टयूब्रक्यूलोसिज़ (*Mycobacterium tuberculosis*) नाम के जीवाणु टी.बी. पैदा करते हैं। यह साधारणत: फेफड़ों को प्रभावित करते हैं लेकिन शरीर के अन्य अंगों में भी छूत फैला सकते हैं।

टी.बी. कैसे फैलती है?

जब टी.बी. से पीड़ित कोई व्यक्ति छींकता, खाँसता है या बात करता है और कोई अन्य व्यक्ति उसकी सांस से बाहर निकले जीवाणुओं को सांस से अपने फेफड़ों में खींच लेता है, तब टी.बी. हवा के रास्ते फैल जाती है।

साधारणत:, छूत से प्रभावित होने के लिए किसी व्यक्ति को लंबी अवधि के लिए टी.बी. के किसी मरीज़ के संपर्क में रहना होगा।

निष्क्रिय टी.बी. क्या होती है?

टी.बी. के जीवाणुओं द्वारा सांस से शरीर में प्रवेश कर लेने मात्र से ही कोई व्यक्ति बीमार नहीं हो जाता क्योंकि शरीर का प्रतिरक्षी तंत्र छूत को काबू करने के सक्षम होता है। जीवाणु व्यक्ति के शरीर में जीवित, किन्तु निष्क्रिय रहते हैं। इसे निष्क्रिय टी.बी., या अप्रकट टी.बी. या निष्क्रिय टी.बी. भी कहा जाता है। अप्रकट टी.बी. बाले व्यक्ति बीमार नहीं होते और दूसरों तक टी.बी. नहीं फैलाते।

सक्रिय टी.बी. क्या होती है?

अगर किसी व्यक्ति का प्रतिरक्षी तंत्र टी.बी. के जीवाणुओं को बढ़ने से रोक नहीं पाता तो उसे सक्रिय टी.बी. माना जाता है।

इसके लक्षणों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:

- खाँसी
- खाँसी में खून अथवा बलग़म आना
- बुखार होना
- रात को पसीना आना
- भार कम हो जाना
- थकावट होना

सक्रिय टी.बी. अगर फेफड़ों अथवा शरीर में हवा मार्गों को प्रभावित करे तो इसे छूत फैलाने योग्य माना जाता है। टी.बी. अगर शरीर के अन्य भागों को प्रभावित करे तो इसके छुतही होने की संभावना नहीं होती।

क्या निष्क्रिय टी.बी. सक्रिय टी.बी. में बदल सकती है?

हां, जिन व्यक्तियों का प्रतिरक्षा तंत्र जीवाणुओं को बढ़ने से रोक नहीं पाता, उनकी निष्क्रिय टी.बी. बदल कर सक्रिय टी.बी. बन सकती है। छूत होने के दो वर्ष के अन्दर-अन्दर सक्रिय टी.बी. होने की 5% संभावना होती है। इसके पश्चात किसी व्यक्ति के बाकी जीवन-काल में सक्रिय टी.बी. होने की मात्र 5% संभावना होती है।

सक्रिय टी.बी. किसे हो सकती है?

निम्नलिखित व्यक्तियों को सक्रिय टी.बी. होने की संभावना सबसे अधिक होती है: बहुत छोटे और बहुत वृद्ध, जिन्हें बेहद तनाव हो, और वे जिनका प्रतिरक्षा तंत्र अनेक रोगों के कारण ढीला पड़ जाए।

हैल्थ यूनिट टी.बी. के सभी मामलों की पूरी छान-बीन करता है। जिन व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जोखिम का सामना करना पड़ा हो, उन्हें टी.बी. के लिए चमड़ी की जांच करवाने को प्रोत्साहित किया जाएगा।

टी.बी. के लिए चमड़ी की जांच क्या होती है?

आपकी बाजू पर कोहनी से हाथ की ओर ट्यूब्रक्यूलिन प्रोटीन नाम के एक तरल का टीका लगा दिया जाता है। दो से तीन दिन बाद आपको वापिस आकर अपनी बाजू की जांच करवानी पड़ती है और अगर कोई प्रभाव हुआ हो तो उसे नाप लिया जाता है। एक विशेष आकार से अधिक के प्रभाव को ही टी.बी. होने का संकेत माना जाता है।

चमड़ी के निश्चयात्मक टेस्ट का क्या अर्थ होता है?

निश्चयात्मक प्रभाव होने का अर्थ है कि अपने जीवन में किसी समय आपको टी.बी. के जीवाणुओं की छूत रही है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपको सक्रिय टी.बी. नहीं है, कोई डाक्टर आप पर छाती के ऐक्स-रे और बलग़म की जांच करने जैसे अन्य परीक्षण करेगा। सक्रिय और निष्क्रिय, दोनों प्रकार की टी.बी. से निश्चयात्मक प्रभाव देखने में आएगा।

टी.बी. निरोध्य, उपाय-योग्य और साध्य है।

इलाज

अधिकतर मामलों में सक्रिय टी.बी. का इलाज करने और सक्रिय टी.बी. को विकसित होने से वाली प्रतिजैविक दवाएं उपलब्ध हैं। टी.बी. के उपचार में सबसे अधिक उपयोग की जाती दवाओं में Isoniazid (INH), Pyrazinamide (PZA), Rifampin और Ethambutol हैं। अगर आपको निष्क्रिय टी.बी. है, तो आपका चिकित्सक आपको 9 से 12 माह तक प्रोफाईलैक्सिस नाम की दवाएं लेने की सिफारिश कर सकता है जिससे निष्क्रिय टी.बी. के सक्रिय टी.बी. बनने की संभावना कम हो जाएगी।

ओन्टेरियो में टी.बी. के लिए सभी दवाएं नि:शुल्क मिलती हैं। आपका चिकित्सक यह दवाएं हैल्थ यूनिट से प्राप्त कर सकता है।

एक साथ एच.आई.वी. और टी.बी. हो जाना

एच.आई.वी. एक ऐसा विषाणु है जो प्रतिरक्षा तंत्र को कमज़ोर करता है और टी.बी. का मुकाबला करना और मुश्किल बनाता है। टी.बी. रोग विश्व भर में एच.आई.वी. के मरीज़ों की मौत का मुख्य कारण है। इस लिए टी.बी. और एच.आई.वी. के मरीज़ों को इन रोगों के बारे में शिक्षित करने की जरूरत है और जितना हो सके, शीघ्रता से उनका इलाज होना चाहिए।

दवाओं के प्रभाव का प्रतिरोध करने वाली टी.बी.

प्रभावशून्य टी.बी. पर सबसे आम किए जाने वाले उपचारों का प्रभाव नहीं होता। जब सक्रिय टी.बी. वाला कोई व्यक्ति अपनी दवा समय से न ले तो टी.बी. के जीवाणु दवाओं के प्रभाव का प्रतिरोध करने लगते हैं। इससे यह रोगी दवाओं का प्रतिरोध करने वाले जीवाणु दूसरों तक फैला सकता है। विश्व भर में दवाओं का प्रतिरोध करने वाले जीवाणुओं के अनेक स्तर हैं। इनमें से अनेकों का इलाज बेहद कठिन हो सकता है। इस लिए, टी.बी. सभी दवाएं बताए अनुसार लेना बहुत महत्वपूर्ण है।

MIDDLESEX-LONDON HEALTH UNIT

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:
The Infectious Disease Control Team
Middlesex-London Health Unit
519-663-5317 ऐक्सटेन्शन 2330.

साधन

स्टाप टी.बी. पार्टनरशिप
www.stoptb.org
वर्ल्ड हैल्थ आर्गेनाईज़ेशन
www.who.int/en/
पब्लिक हैल्थ ऐजन्सी आफ़ कैनेडा
www.publichealth.gc.ca
कैनेडियन लंग ऐसोसिएशन
www.lung.ca
ऐडज़ कमेटी आफ़ लंडन
www.aidslondon.com

Middlesex-London Health Unit
50 King St., London, ON N6A 5L7
tel: (519) 663 - 5317 • fax: (519) 663 - 9581
health@mlhu.on.ca

Strathroy Office - Kenwick Mall
51 Front St. E., Strathroy ON N7G 1Y5
tel: (519) 245 - 3230 • fax: (519) 245 - 4772

An Accredited Teaching Health Unit

MIDDLESEX-LONDON HEALTH UNIT

तपेदिक

केवल ऐसा रोग नहीं है जो पहले कभी होता था

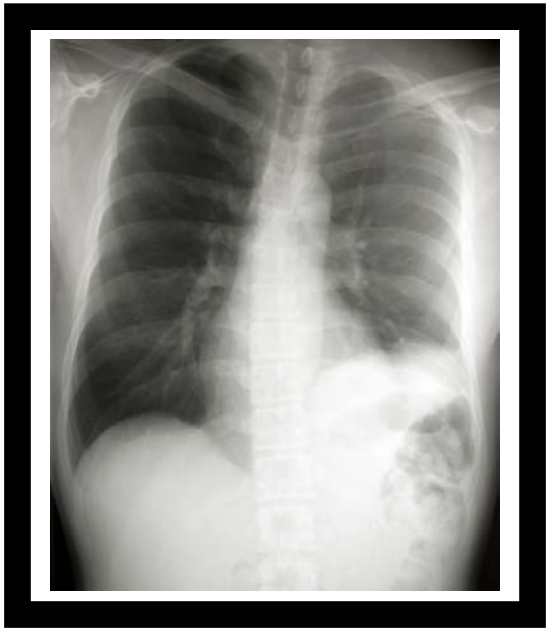

तथ्य

www.healthunit.com